चींटियों के मुंह से निवाला छीनती मकड़ी

उछल कूद करने में माहिर एक अफ्रीकी मकड़ी अपनी चुस्ती-फुर्ती का इस्तेमाल न सिर्फ शिकार करने में करती है बल्कि इसके चलते वह चींटियों के मुंह से भोजन भी चुरा लेती है।

मेनेमेरस मकड़ी में सामने देखने, आजू-बाजू देखने, और ऊपर देखने के लिए आंखें होती हैं। इसके चलते दृष्टि के मामले में यह किसी प्राइमेट जैसी होती है, और शिकार करने में शेर जितनी माहिर। यह बात न्यूज़ीलैंड की युनिवर्सिटी ऑफ कैन्टरबरी के सिमान पोलार्ड ने कही है। अपने सहकर्मी रॉबर्ट जैक्सन के साथ मिलकर पोलार्ड ने केन्या की लेक विक्टोरिया में मकड़ी और चींटी के बीच छीना-झपटी की 98 फिल्में रिकार्ड की हैं। हर मामले में उन्होंने पाया कि जैसे ही कोई चींटी, किसी मक्खी को पकड़ लेती तो पास ही छुपी यह मकड़ी चींटी के मुंह से शिकार को झपट लेती। जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी में प्रकाशित अपने शोध के बारे में पोलार्ड का मानना है कि हो सकता है ये मकड़ियां जीवित भोजन की तलाश में ऐसा करती हों। क्योंकि झील की मक्खियों की लाशें तो इन मकड़ियों के जाल में फंस ही जाती हैं। मगर दिक्कत यह है कि ये मकड़ियां सूख चुकी लाशों को पचा नहीं सकतीं। इसलिए इन लाशों को फंसाने के लिए जाल फैलाकर बैठना ऊर्जा की बरबादी ही होगी।

युनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का की एलीन हेबेट्स इस बात से हतप्रभ हैं और सोचती हैं कि क्या मकड़ी का यह गुण नैसर्गिक है अथवा वह इसे सीखती है। वे जानना चाहती हैं कि क्या यदि कोई मकड़ी अन्य मकड़ियों को ऐसा करते देखे तो उसमें इसे स्वयं आज़माने की संभावना बढ़ जाएगी। ***(स्रोत फीचर्स)***